



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 24 जून, 2002/3 आषाढ़, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग
(डी-अनुभाग)

अधिसूचना

शिमला-2, 16 मई, 2002

संख्या जी०ए०डी०-(डी) 1(ए) 1-1/89.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से अधिसूचना संख्या जी०ए०डी०(डी) 1(ए) 1-1/89, तारीख 26-10-1994 द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में तारीख 19-11-1994 को प्रकाशित, हिमाचल प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग (सम्पदा निदेशालय) सम्पदा अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1994 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, सम्पदा अधिकारी, वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2002 है ।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—(1) हिमाचल प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, सम्पदा अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1994 के स्तम्भ-4 के विद्यमान उपाबन्ध के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"7220-220-8100-275-10300-340-11320 रुपये"

(2) स्तम्भ संख्या 11 की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

अधीक्षक ग्रेड-II/अधीक्षक ग्रेड-II एवं विधि सहायक में से, जिनका ग्रेड में 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या (31-3-1998) तक लगातार की गई तदर्थ सेवा सहित संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा।

प्रोन्नति के लिए पात्र उम्मीदवारों की संयुक्त वरिष्ठता सूची उनकी सेवा अवधि के आधार पर उनकी पारस्परिक वरिष्ठता को छोड़े बिना तैयार की जाएगी।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अग्रता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जायेंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मेड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

(2) इसी प्रकार स्पष्टीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्पष्टीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. GAD-(D)1(A)1-1/89-loose, dated 16-5-2002 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.]

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT

(Section-D)

NOTIFICATION

Shtmla-171 002, the 16th May, 2002

No. GAD-(D)1(A)1-1/89.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh General Administration (Directorate of Estates), Estate Officer, Class-II (Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1994, published in the Rajpatra, Himachal Pradesh dated 19-11-94 *vide* Notification No. GAD-(D)1(A)1-1/89, dated 26-10-1994, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh General Administration Department, Estates Officer, Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment), Rules, 2002.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. **Amendment of Annexure "A".**—(1) In Annexure-"A" to the Himachal Pradesh General Administration Department, Estate Officer, Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994.

(a) For the existing provision against Column No. 4 the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11320"

(2) For the existing entries against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion from amongst Supdt. Grade-II/Supdt. Grade-II-cum-Legal Assistant with five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service (rendered upto 31-3 1998), service in the grade.

For the purpose of promotion combined seniority list of eligible person shall be prepared on the basis of length of service without disturbing their *inter-se* seniority.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that :

(i) in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-98, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be *Ex-serviceman* recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of *Ex-servicemen* (Reservation of Vacancies in Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment/promotion had shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection in accordance with the provision of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/
Commissioner-cum-Secretary.